अध्याय पंचम

शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय – पंचम

निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

अध्याय चतुर्थ में हमने देखा कि शोध के कौन–कौन से उद्देश्य हैं और उन उद्देश्य की पूर्ति करने के लिए किस तरह से समूह बनाये गये, उन समूह के आधार पर दोनों समूहों के बीच सार्थक अंतर है या नहीं ये बताया गया है।

इस अध्याय में हम देखेंगे कि शोध से निष्कर्ष एवं सुझाव क्या निकलता है। भूगोल विषय विद्यार्थियों की शैक्षिक दृष्टि से तथा दैनंदिन व्यवहार की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है। भूगोल शिक्षण में अन्य विषयों की अपेक्षा अधिक कठिनाई होती है क्योंकि भूगोल विषय में अधिकांश पाठ्यवस्तु विद्यार्थी के अनुभव क्षेत्र से बाहर होती है। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को भूगोल का प्रत्यक्ष अनुभव नहीं रहता है। यही कारण है कि भूगोल का ज्ञान विद्यार्थी को शुद्ध रूप से देना अधिक कठिन होता है। इसीलिए भूगोल के शिक्षक को भूगोल का उचित ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष अनुभव के साथ–साथ शैक्षिक सामग्री का भी प्रयोग करना पड़ता है। संबंधित अध्ययन के प्रयोग से कक्षा 7 के विद्यार्थियों के भूगोल विषय के ज्ञान प्राप्ति पर क्या प्रभाव होगा। इसके लिए किया गया है।

5.2 समस्याकथन

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होनेवाले प्रभाव का अध्ययन"

5.3 अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन के निम्नांकित उद्देश्य हैं :–

1. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
2. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के छात्रों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
3. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के छात्राओं की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

5.4 परिकल्पना

इस अध्ययन के लिए शून्य परिकल्पनाएँ ली गयी हैं, वह निम्नलिखित हैं :-

1. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के विद्यार्थियों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के छात्रों की निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा 7 के छात्राओं की निष्पत्ति में कोई अंतर नहीं है।

5.5 अध्ययन की सीमाएँ

इस शोध की निम्नांकित सीमाएँ हैं :-

1. यह अध्ययन करते समय महाराष्ट्र राज्य के चंद्रपुर जिले के नागभीड़ तहसील के एक पाठशाला का उपयोग किया है।
2. यह अध्ययन महाराष्ट्र राज्य से संबंधित है।
3. यह अध्ययन सिर्फ कक्षा 7 के विद्यार्थियों पर किया गया है।
4. यह अध्ययन करते समय किसी एक गाँव की पाठशाला ली गई है।
5. यह अध्ययन सिर्फ भूगोल विषय से संबंधित है।

5.6 प्रतिदर्श

इस अनुसंधान में जनसंख्या के तौर पर जनता हाईस्कूल, नागभीड़ के कक्षा 7 के विद्यार्थी लिये गये हैं जिनकी संख्या 150 है। अनुसंधान की कुल इकाई 150 है। इकाई जनसंख्या में से असंभाविता प्रतिदर्श के उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श इस प्रकार का प्रयोग करके 40–40 विद्यार्थी के दो समूह बनाये गये हैं।

प्रस्तुत शोध के लिए 'समान समूह अभिकल्प' तैयार किया गया। समान समूह बनाते समय नीचे दिये गए तत्वों को ध्यान में रखा गया।

- दो समान समूह बनाते समय कक्षा 7 के विद्यार्थियों के पिछले वर्ष याने कक्षा 6 की अंतिम परीक्षा के भूगोल विषय के प्राप्तांकों का विचार किया गया।
- 6वीं मे विद्यार्थियों के भूगोल विषय के प्राप्तांक 45 प्रतिशत से 60 प्रतिशत थे ऐसे 80 विद्यार्थी (40 बालक तथा 40 बालिकाएँ) चुने गये।
- इन 80 विद्यार्थियों में से 40 विद्यार्थी नियंत्रित समूह में और 40 विद्यार्थी प्रायोगिक समूह बनाये गये।

5.7 शोध में प्रयुक्त चर

स्वतंत्र चर : शैक्षिक सामग्री

आश्रित चर : विद्यार्थियों की निष्पत्ति

5.8 निष्कर्ष

1. नियंत्रित समूह के प्राप्तांकों का मध्यमान 16.17, प्रमाणिक विचलन 3.75 और प्रायोगिक समूह के प्राप्तांकों का मध्यमान 34.62 है और प्रमाप विचलन 5.07 है। दोनों समूह का क्रान्तिक अनुपात 18.63 है। इसीलिये परंपरागत पद्धति से भूगोल विषय पढ़ाने के अलावा शैक्षिक सामग्री के प्रयोग के साथ पढ़ाना अधिक प्रभावी है।

2. भूगोल विषय परंपरागत पद्धति से पढ़ाने के अलावा शैक्षिक सामग्री का उपयोग करके पढ़ाना छात्राओं के अधिक हित में है।
3. भूगोल विषय शैक्षिक सामग्री के साथ पढ़ाने से छात्रों के निष्पत्ति पर उपयुक्त प्रभाव पड़ा है।
4. भूगोल विषय के अध्यापन में शैक्षिक सामग्री की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

5.9 सुझाव

1. अध्यापकों को भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री बनानी चाहिये।
2. अध्यापकों ने भूगोल विषय हमेशा शैक्षिक सामग्री के उपयोग के साथ ही पढ़ाना चाहिये।
3. भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री विद्यार्थियों से तैयार करने के लिये शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहन और प्रशिक्षण देना चाहिये।
4. पाठशाला के प्रशासक को भूगोल पाठ्यांश से संबंधित विविध शैक्षिक सामग्री का प्रबंध करना चाहिये।
5. शैक्षिक सामग्री के साथ पढ़ाने पर वह पाठ्यांश दीर्घकाल तक विद्यार्थियों के ध्यान में रहता है इसलिये अध्यापकों से इस पद्धति का इस्तेमाल अधिक से अधिक मात्रा में करना चाहिये।

5.10 भविष्य के लिये शोध सुझाव

यह अनुसंधान सिर्फ भूगोल विषय से संबंधित है। शैक्षिक सामग्री की दूसरे विषयों के अध्यापन में क्या भूमिका है इसका शोध किया जा सकता है। यह अनुसंधानकर्ता द्वारा सिर्फ भूगोल से संबंधित शोधकार्य था ऐसा ही अनुसंधान कार्य जीवशास्त्र, इतिहास व रसायन शास्त्र आदि विषयों में भी हो सकता है।

इसलिये नये अनुसंधानकर्ता को दूसरे विषयों में शैक्षिक सामग्री की क्या भूमिका है इसके बारे में शोध करने के लिये यह विषय चुनना चाहिये।